भारतीय फुटवियर और चमड़ा वकिास कार्यक्रम

प्रलिमि्स के लयि:

IFLDP योजना

मेन्स के लयि:

चमड़ा उद्योग, सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप।

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2021-22 से भारतीय फुटवियर और चमड़ा वकिास कार्यक्रम (Indian Footwear and Leather Development Programme- IFLDP) को जारी रखने के लयि वत्तिीय परव्यिय 1700 करोड़ रुपए अनुमोदति कयिा गया है।

- केंद्रीय मंत्रमिंडल द्वारा IFLDP को 31 मार्च, 2026 तक या अगली समीक्षा तक जो भी पहले हो, पूर्ववर्ती IFLADP (भारतीय फुटवियर चमड़ा और सहायक उपकरण वकिास कार्यक्रम) की नरिंतरता के रूप में अनुमोदति कयिा गया है।
- IFLADP की घोषणा 2,600 करोड़ रुपए के व्यय के साथ तीन वत्तिीय वर्षों (2017-18 से 2019-20 तक) के लयि की गई थी।

प्रमुख बदिु

IFLDP योजना:

- यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जसिका उद्देश्य चमड़ा क्षेत्र हेतु बुनयिादी ढाँचे का वकिास करना, वशिष्टि पर्यावरणीय चतिाओं को दूर करना, अतरिक्ति नविेश की सुवधिा, रोज़गार सृजन और उत्पादन में वृद्धि करना है।
- **कार्यक्रम के तहत स्वीकृत उप-योजनाएँ:**
  - सतत् प्रौद्योगकिी और पर्यावरण सवर्द्धन, चमड़ा क्षेत्र का एकीकृत वकिास (IDLS), संस्थागत सुवधिाओं की स्थापना, मेगा चमड़े के जूते और सहायक उपकरण क्लस्टर वकिास, ब्रांड प्रचार, और डज़िाइन स्टूडयिो का वकिास।
- डज़िाइन स्टूडयिो का वकिास (100 करोड़ रुपए प्रस्तावति परव्यिय) एक नई उप-योजना है जो वपिणन/नरि्यात संबंधों को बढ़ावा देगी, क्रेता-वक्रिेता एक मंच प्रदान करेगी, अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को डज़िाइन प्रदर्शति करने और व्यापार मेलों हेतु इंटरफेस के रूप में कार्य करेगी।

पूर्ववर्ती IFLADP का प्रभाव:

- यह कार्यक्रम वशिेष रूप से महलिाओं के लयि गुणवत्तापूर्ण रोज़गार सृजन, कौशल वकिास, उचति कार्य, उद्योग को अधकि पर्यावरण अनुकूल बनाने और एक स्थायी उत्पादन प्रणाली को बढ़ावा देने की दशिा में लाभ प्रदान करता है।
- देश के वभिन्नि हस्सिों में स्थति लेदर क्लस्टरस ने गरीबी के स्तर में कमी लाने, लैंगकि समानता, क्षेत्र वशिष्टि कौशल/शक्षिा आदि के संदर्भ में लाभ अर्जति कयिा है, इस प्रकार इसने कई सतत् वकिास लक्ष्यों को प्राप्त कयिा है।
- अन्य राष्ट्रीय वकिास योजनाएँ (**NDPs**) जैसे कि आर्थकि वकिास, रोज़गार सृजन, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, बुनयिादी ढाँचा वकिास, सस्ती व स्वच्छ ऊर्जा तथा अन्य पर्यावरणीय लाभ IFLAD कार्यक्रम द्वारा सुनश्चिति कयि जाते हैं।
  - **अधकिांश एनडीपी (NDPs), SDGs के साथ संरेखति होते हैं।**

भारत के चमड़ा उद्योग की वर्तमान स्थति:

- **भारत दुनयिा में चीन के बाद जूते और चमड़े के कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** तथा दुनयिा में चमड़े के कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा नरि्यातक (चीन के बाद) है।
- इस उद्योग को उच्च नरि्यात आय में नरिंतरता के लयि जाना जाता है और यह देश के लयि शीर्ष दस वदिेशी मुद्रा अर्जकों में से एक है।

- भारत में चमड़े के कच्चे माल के रूप में वशि्व के**मवेशियों और भैंसों की कुल आबादी का 20%** तथा **बकरी और भेड़ की कुल आबादी का 11% हसि्सा** है।
- चमड़ा उद्योग एक रोज़गार प्रधान उद्योग है जो समाज के कमज़ोर वर्गों के 4 मलियिन से अधकि लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।
- चमड़ा उत्पाद उद्योग में लगभग **30% हसि्सेदारी महलिाओं** की है। भारत में चमड़ा उद्योग 35 वर्ष से कम आयु के 55% कार्यबल के साथ सबसे युवा कार्यबल में से एक है।
- भारतीय **चमड़ा उत्पादों के प्रमुख बाज़ार** यूएसए, जर्मनी, यूके, इटली, फ्राँस, स्पेन, नीदरलैंड, यूएई आदि हैं।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-footwear-and-leather-development-programme